ISSN 0973-2616

सीएसआईआर
CSIR
भारत का नवाचार इंजन
The Innovation Engine of India

NIScPR
सीएसआईआर–निस्पर

प्रगति, विकास और आशा
सीएसआईआर समाचार

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद का गृह बुलेटिन

वर्ष 11 अंक 3 www.csir.res.in मार्च 2023

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अनुसंधान अनुदान और फंड के लिए एक विशेष महिला पोर्टल की घोषणा की

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री, पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष, डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज अनुसंधान अनुदान और फंड के लिए एक विशेष महिला पोर्टल की घोषणा की। 1 अप्रैल से पोर्टल काम करना शुरू कर देगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सीएसआईआर ने सीएसआईआर–एस्पायर के तहत महिला वैज्ञानिकों के लिए विशेष अनुसंधान अनुदान शुरू करने का फैसला किया है और इस संबंध में एक विशेष पोर्टल 1 अप्रैल, 2023 से उपलब्ध होगा। महिला वैज्ञानिकों से प्रस्तावों को आमंत्रित करने के लिए विशेष कॉल उसी दिन खुलेगी।

उल्लेखनीय है कि डॉ. जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में 17 दिसंबर, 2022 को सीएसआईआर की गवर्निंग बॉडी की 200वीं बैठक के दौरान बाह्य अनुसंधान योजना के तहत महिला वैज्ञानिकों से अनुसंधान अनुदान प्रस्तावों को आमंत्रित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी।

देश भर में केवल महिला वैज्ञानिक ही विज्ञान और इंजीनियरिंग के प्रमुख विषयों जैसे जीवन विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान और इंटरट्रांस अनुशासनिक विज्ञान में अनुसंधान और

- महिला वैज्ञानिकों से प्रस्ताव आमंत्रित करने के लिए विशेष कॉल उसी दिन शुरू होगी
- महिला वैज्ञानिकों के लिए विशेष अनुसंधान अनुदान प्रदान करेगा सीएसआईआरः डॉ. जितेंद्र सिंह
- पीएम मोदी महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को भारत की प्रगति का केंद्रीय आयाम मानते हैं– डॉ. जितेंद्र सिंह
- ''जैसा कि हम अमृत काल की ओर बढ़ रहे हैं, यह भारत की विकास यात्रा में नारी शक्ति को सबसे आगे रखने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की दिशा में एक और दूरदर्शी कदम है''

विकास करने के लिए अनुसंधान अनुदान हेतु आवेदन करने की पात्र होंगी। कर्मचारियों (जेआरएफ/एसआरएफ/आरए), आकस्मिकता और छोटे उपकरणों के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा। रिसर्च फेलो के स्टाइपेंड सहित एक शोध प्रस्ताव का कुल बजट आम तौर पर 25–30 लाख की सीमा से अधिक नहीं होना चाहिए।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और देश में 'नारी शक्ति' को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल से जुड़ी है। उन्होंने कहा, ''जैसा कि हम अमृत काल की ओर बढ़ रहे हैं, यह भारत की विकास यात्रा में नारी शक्ति को सबसे आगे रखने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की दिशा में एक और दूरदर्शी कदम है।''

सीएसआईआर महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई कदम उठा रहा है, जिसमें सीएसआईआर–केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान द्वारा महिला उद्यमियों के लिए सीएसआईआर प्रौद्योगिकियों पर 15% छूट और सीएसआईआर डोमेन के पूरे स्पेक्ट्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शामिल है। पिछले साल अगस्त में, सीएसआईआर के इतिहास में पहली बार, वरिष्ठ विद्युत रसायन वैज्ञानिक सुश्री नल्लाथम्बी कलैसेल्वी देश भर में 38 अनुसंधान संस्थानों का गठन करने वाले प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास निकाय की प्रमुख बनने वाली पहली महिला महानिदेशक बनीं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री श्री मोदी महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को भारत की प्रगति का केंद्रीय आयाम मानते हैं और भारत को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक हैं।

''पिछले नौ वर्षों में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी सरकार ने कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, जिनका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें भारत की विकास यात्रा के नेतृत्व में जोडना है। उनका प्रयास महिलाओं को सामाजिक बाधाओं को दूर करने और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्षम बना रहा है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि 2 करोड़ पीएम आवास–ग्रामीण लाभार्थियों में से 68% महिलाएं हैं और 23 करोड़ से अधिक मुद्रा ऋण महिला लाभार्थियों को दिए गए हैं। एनएफएचएस–5 के सर्वेक्षण के मुताबिक, पहली बार भारत में लिंगानुपात सुधर कर प्रति 1,000 पुरुषों पर 1,020 महिलाओं का हो गया है।

''पीएम मोदी ने महिलाओं को बेड़ियों से मुक्त करने और उन्हें रोजमर्रा की जिंदगी की नीरसता से मुक्त करने को नीति बनाने का एक प्रमुख उद्देश्य बनाया है।

मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई हर प्रमुख कल्याणकारी योजना ने देश भर में महिलाओं के जीवन में सुधार किया है।''

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, पिछले 9 वर्षों में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। 2018 में, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सशस्त्र बलों में महिलाओं के लिए स्थायी आयोग की अनुमति देने के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा की। सशस्त्र बलों में 10,000 से अधिक महिला अधिकारी सेवारत हैं, जिनमें अधिकांश चिकित्सा सेवाओं में हैं।

''अब महिलाएं हर क्षेत्र में ऊंचाई छू रही हैं। हाल ही में, भारतीय वायु सेना ने ग्रुप कैप्टन शालिजा धामी को पाकिस्तान के सामने पश्चिमी क्षेत्र में एक मिसाइल स्क्वाड्रन की कमान संभालने वाली पहली महिला अधिकारी के रूप में नियुक्त किया।

महिला सीआरपीएफ लड़ाकों को

माओवादी विरोधी कोबरा यूनिट में शामिल किया गया है। महिला अधिकारियों ने सेना की विभिन्न इकाइयों की कमान भी संभालनी शुरू कर दी है। नौसेना ने फ्रंट लाइन वारशिप पर महिला अधिकारियों को शामिल करना भी शुरू कर दिया है।

सीएसआईआर-निस्पर द्वारा 'पारंपरिक ज्ञान का संचार और प्रसार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीडीटीके-2023)' का आयोजन

डॉ. सिंह ने आधुनिक उपकरणों और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ मिलकर पारंपरिक ज्ञान का सर्वोत्तम सम्मिश्रण कर उसे उपयोग करने का आह्वान किया

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्यमंत्री, डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी बेहतरी के लिए पारंपरिक ज्ञान और भविष्य की प्रौद्योगिकी के सम्मिश्रण के बारे में जानकारी साझा करने के लिए हमेशा प्रोत्साहित करते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आज नई दिल्ली में 'पारंपरिक ज्ञान का संचार और प्रसार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीडीटीके–2023)' को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (डीजीटीएल) तक सभी को पहुंच प्रदान करना इस बात का संकेत है कि प्रौद्योगिकी के साथ ज्ञान का एकीकरण करने से आम लोगों को बहुत हद तक सहायता मिल सकती है।

केंद्रीय मंत्री ने स्वस्तिक (भारत का वैज्ञानिक रूप से मान्य सामाजिक पारंपरिक ज्ञान) ब्रोशर, लोकप्रिय विज्ञान पुस्तक और पारंपरिक ज्ञान की भारतीय पत्रिका आजादी का अमृत महोत्सव अंक भी जारी किया।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सीएसआईआर–राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर –निस्पर), नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, महासागरों जैसे स्वदेशी संसाधनों को कई पहलों के माध्यम से अब सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की जा रही है, जो पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान को एकीकृत करने पर केंद्रित हैं। उन्होंने हिंद महासागर में डीप सी मिशन, बैंगनी क्रांति और नवीनतम तकनीक का उपयोग करके लैवेंडर की खेती को बढ़ावा देने का उदाहरण दिया, जिसके माध्यम से स्थानीय कश्मीरियों के लिए रोजगार के बड़े अवसर उत्पन्न हुए हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने सीएसआईआर–निस्पर को व्यापक स्तर पर और इस विषय पर पहले सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि भारत के पास लिखित, मौखिक और अनुप्रयुक्त ज्ञान का सबसे बड़ा और समृद्ध भंडार है। उन्होंने कहा कि इसे साबित करते हुए हमारे पास सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इस ज्ञान का सर्वोत्तम उपयोग किस प्रकार से किया जाए।

डॉ. सिंह ने कहा कि इसे दोनों के बीच एक सर्वोत्तम संतुलन बनाकर प्राप्त किया

जा सकता है, जिसके लिए एकीकृत और विचारशील प्रक्रिया की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए यह सबसे अच्छा समय है कि वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस क्षेत्र का नेतृत्व करे क्योंकि, देश को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के लिए ऐसा अवसर पहले कभी भी प्राप्त नहीं हुआ है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत कोविड–19 के चार टीके विकसित करने में सक्षम हुआ, जबकि पूरी दुनिया एक टीका बनाने के लिए संघर्ष कर रही थी और देश ने 'वैक्सीन मैत्री' पहल के अंतर्गत कई देशों को टीका प्रदान करते हुए कोविड–19 के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में योगदान दिया, जो पारंपरिक और मानवीय मूल्यों में भारत के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जब पारंपरिक ज्ञान दांव पर लगता है तो इसे बहुत तेजी से बढ़ावा दिया जाता है और एकीकरण के साथ नवीन संसाधनों से जोड कर रखना हमें आधुनिक समय की ओर लेकर जाता है।

इस अवसर पर सीएसआईआर की महानिदेशक और डीएसआईआर सचिव, डॉ. कलाईसेल्वी ने कहा कि हम एक स्वर्णिम दौर से गुजर रहे हैं और देश विज्ञान और वैज्ञानिक अनुसंधान का उत्सव मना रहा है जिसका श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है, जिन्होंने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से स्टार्ट–अप और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन 14 और 15 फरवरी, 2023 को किया गया जिसमें देश के 22 राज्यों सहित अमेरिका, कनाडा, स्विट्जरलैंड, कतर और तुर्की जैसे देशों के 200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सीएसआईआर-आईएचबीटी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

सीएसआईआर–हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी),पालमपुर ने 6 मार्च 2023 को एसएस भटानागर सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस साल 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' की विषयवस्तु "डिजिटऑलः लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी" है।

इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिकों ने छात्रों के साथ बातचीत की और विज्ञान आधारित पेशे में उपलब्ध अवसरों पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान डॉ. पमिता भंडारी, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर–आईएचबीटी ने 'हिमालयी औषधीय पौधों से बायोएक्टिव और उनका मूल्य संवर्धन' पर, डॉ. सरिता देवी, वैज्ञानिक ने 'माइक्रोबियल एंजाइम और उनके औद्योगिक अनुप्रयोगों' पर, डॉ. विद्याशंकर श्रीवत्सन, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने 'महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण के बारे में संतुलित आहार एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व' पर और डॉ. पूनम कुमारी, वैज्ञानिक ने 'फूलों की खेती में मूल्यवर्धन पर' अपना व्याख्यान दिया। इसके अलावा, इस आयोजन के अन्य मुख्य आकर्षण प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी, ट्यूलिप गार्डन, रसायन विज्ञान प्रयोगशाला, टिशू कल्चर लैब, चाय प्रसंस्करण इकाई, सूखे फूल और पायलट प्लांट का दौरा थे।

सीएसआईआर–आईएचबीटी के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने अपने संदेश में प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई दी। उन्होंने उनके लिए विज्ञान में एक सफल कैरियर की कामना की और उन्हें महिला सशक्तिकरण के

लिए काम करने और इस उद्देश्य के लिए अपने प्रयासों को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. अपर्णा मैत्रापति, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर–आईएचबीटी ने सभी छात्रों से इस शैक्षिक दौरे का लाभ उठाने का आग्रह किया और इसे एक सुनहरे अवसर के रूप में लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सीएसआईआर–आईएचबीटी, पालमपुर में विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रहे स्टार्ट–अप और उद्यमिता कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा की।

इस कार्यक्रम में चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा (पंजाब), साईं विश्वविद्यालय, पालमपुर तथा गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज राजपुरा, पालमपुर (हिमाचल प्रदेश) की बी–फार्मा और एमएससी की 130 छात्राओं ने अपने शिक्षकों के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई में 'विश्व हिन्दी दिवस' का आयोजन

सीएसआईआर–केन्द्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीआरआई), भावनगर में विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में 10 फरवरी, 2023 को एक ऑनलाइन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के कार्यपालक निदेशक डॉ. अरविंद रानाडे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे तथा "भारतीय राष्ट्रीय दिनदर्शिका–वैज्ञानिक आधार" विषय पर व्याख्यान दिया।

समारोह में सभी का स्वागत करते हुए संस्थान में हिन्दी भाषा के अद्यतन कार्यान्वयन का संक्षिप्त परिचय दिया गया। बतौर मुख्य अतिथि, समारोह में अपने ऑनलाइन सम्बोधन में डॉ. रानाडे ने कहा कि भारतीय कलेंडर के दिन, महीने आदि के नाम में भी तारतम्यता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण है वहीं ग्रेगोरियन कलेंडर की शुरुआत, हर महीने में दिनों की भिन्न संख्या का कोई वैज्ञानिक अथवा तार्किक पक्ष नहीं है। नयी पीढ़ी को भारतीय राष्ट्रीय कलेंडर के बारे में जानकारी एवं जागरूकता होना बहुत ही आवश्यक है। भारतीय राष्ट्रीय कलेंडर से काल गणना कर भविष्य की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। समारोह के संयोजक डॉ. कान्ति भूषण पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं पीआरओ ने बताया कि संस्थान के निदेशक प्रो. कन्नन श्रीनिवासन के लगातार मार्गदर्शन सीएसएमसीआरआई कालानुक्रम में लगातार हिन्दी कार्यान्वयन एवं संस्थान की शोध–गतिविधियों को आम–जन मानस में सरल हिन्दी भाषा पहुंचाने में अग्रणी रहा है।

सीएसआईआर-सीरी में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन

सीएसआईआर–केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी (राज.) में 28 फरवरी, 2023 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस गरिमामयी ढंग से मनाया गया।

विज्ञान भारती–राजस्थान के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रोफेसर आर एस सांगवान, इन्सा (INSA) वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा पूर्व निदेशक, एसीएसआईआर मुख्य अतिथि थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अभिजीत कर्माकर, वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक ने की। इस अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय, काजड़ा, बिरला पब्लिक स्कूल, पिलानी गौतम पब्लिक स्कूल, पिलानी तथा सीरी विद्या मंदिर, पिलानी के विद्यार्थी एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर एस सांगवान ने भी सभी छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की बधाई दी।

उन्होंने 'पर्सुएन्स ऑफ साइंस फॉर ग्लोबल गुड एंड हेल्दी प्लैनेट' विषय पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित अपने आमंत्रित व्याख्यान में प्रोफेसर सांगवान ने वैश्विक समुदाय के व्यापक हितों के लिए विज्ञान एवं उसके लाभों के उपयोग पर बल दिया।

मानव स्वास्थ्य को प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने इस क्षेत्र में विज्ञान की भूमिका को रेखांकित किया।

इससे पूर्व डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर पी सांगवान का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने सर सी वी रमन को श्रद्धांजलि देते हुए उपस्थित छात्र–छात्राओं को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाए जाने की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराया।

डॉ कर्माकर ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाए जाने की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी वी रमन ने 28 फरवरी, 1928 को रमन प्रभाव की खोज की थी। तभी से आज के दिन को देश में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने बताया कि उनकी इस खोज के लिए ही सर सी वी रमन को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आमंत्रित व्याख्यान के उपरांत डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक ने प्रोफेसर सांगवान को संस्थान की ओर से स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर संस्थान में आए विद्यार्थियों ने संस्थान के विज्ञान संग्रहालय एवं विभिन्न प्रयोगशालाओं का परिदर्शन किया। संस्थान के वैज्ञानिकों एवं शोध विद्यार्थियों ने स्कूली छात्र–छात्राओं को संस्थान की शोध गतिविधियों एवं उपलब्धियों से अवगत कराया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ पंकज भूषण अग्रवाल, प्रधान वैज्ञानिक ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर आर पी सांगवान को उनके आमंत्रित व्याख्यान के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग करने के लिए संस्थान के निदेशक एवं सभी कार्मिकों को धन्यवाद दिया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उन्होंने विज्ञान भारती–राजस्थान के प्रति भी आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सक्रिय प्रतिभागिता के

लिए प्रतिभागी विद्यालयों एवं उनके शिक्षकों की प्रशंसा की।

इससे पूर्व कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ अदिति, प्रधान वैज्ञानिक ने सभागार में उपस्थित सहकर्मियों एवं प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को प्रोफेसर आर पी सांगवान का औपचारिक परिचय दिया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ हुआ।

सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान में विश्व हिंदी दिवस समारोह आयोजित

सीएसआईआर–केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान में विश्व हिंदी दिवस समारोह 2023 का आयोजन दिनांक 09.01.2023 से 13.01.2023 के मध्य किया गया।

समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं व कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थान के निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित विश्व हिंदी दिवस समारोह उदघाटन कार्यक्रम में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के अधिकारियों के साथ संस्थान के प्रशासन नियंत्रक, प्रशासन अधिकारी तथा अन्य सभी अधिकारी सम्मिलित हुए।

उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात संस्थान के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण (आउटरीच) कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। समारोह 2023 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं व अन्य कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत है:–

पांच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण (आउटरीच) कार्यक्रम – दिनांक 09.01.2023 से 13.01.2023 तक केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली द्वारा संस्थान में पांच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण (आउटरीच) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान के 29 अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भाग लिया जो वैज्ञानिक, तकनीकी और प्रशासनिक वर्गों से थे। कार्यक्रम के दौरान पाँच दिनों तक पूर्वाह्न एवं अपराह्न के सत्रों में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के विभिन्न संकाय सदस्यों ने अपने व्याख्यान दिए व अभ्यास कार्य करवाया।

दिनांक 10.01.2023 को संस्थान के अधिकारियों के लिए हिंदी पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों को तीन विषयों – 'हमारी हिंदी, हमारा गर्व', 'स्वच्छता अभियान एवं 'सड़क सुरक्षा' में से किन्हीं दो पर रंगीन पोस्टर तैयार

करने थे। प्रविष्टियों की हार्डप्रति जमा की गई तथा सॉफ्ट प्रति ईमेल से मंगवाई गई। राजभाषा अनुभाग को कुल 34 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। पुरस्कार का निर्धारण हिंदी भाषी तथा अहिंदी भाषी अधिकारियों के अलग–अलग वर्गों में किया गया।

दिनांक 10.01.2023 दोपहर 2:00 बजे से जिज्ञासा के अंतर्गत स्कूली बच्चों के लिए ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। नराकास, दक्षिण दिल्ली 1 के कार्यालयों एवं स्कूलों तथा 'जिज्ञासा' के अंतर्गत शामिल सभी स्कूली बच्चों के लिए सुश्री रजनी गांधी, सह–संस्थापक एवं महासचिव ट्रैक्स सोसायटी द्वारा 'सड़क सुरक्षा –जानकारी एवं जागरूकता' विषय पर एमएस टीम्स के माध्यम पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया गया।

जिज्ञासा एवं अटल टिंकरिंग लैब संबंधी कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाइन व्याख्यान में सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं, विशेषकर स्कूली बच्चों के लिए सड़क पर चलने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, यातायात नियमों एवं यातायात के विषय में सामान्य व्यवहार के बारे में आसान हिंदी में बताया गया।

जिज्ञासा के अंतर्गत कक्षा 8 से 11 तक के स्कूली बच्चों के लिए ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। क्विज प्रतियोगिता को दिल्ली एनसीआर तथा शेष भारत के दो वर्गों में आयोजित किया गया और विजेता बच्चों को दिनांक 13.01.2023 के समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया गया।

दिनांक 12.01.2023 दोपहर 2.00 बजे से नराकास के स्तर पर ऑनलाइन "कथा–कहानी–कहो अपनी जुबानी" प्रतियोगिता में संस्थान के अधिकारियों ने भाग लिया। दिनांक 13-1-2023 शाम 4:00 बजे से संस्थान के ऑडिटोरियम में विश्व हिंदी दिवस समारोह 2023 का समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

निदेशक महोदय द्वारा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई एवं श्री नरेश कुमार, उपनिदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान पांच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण (आउटरीच) कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं विश्व हिंदी दिवस समारोह 2023 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

दिनांक 12.01.2023 को नराकास के स्तर पर आयोजित ऑनलाइन "कथा–कहानी–कहो अपनी जुबानी" प्रतियोगिता के आयोजक कार्यालय सी–डॉट से प्राप्त परिणाम के आधार पर विजेताओं के नाम घोषित किए गए।

संस्थान की ओर प्रतियोगिता में पहला एवं तीसरा स्थान प्राप्त करने पर दोनों प्रतिभागियों, क्रमशः सुश्री प्रीति सचदेवा एवं सुश्री निधि को करतल ध्वनि से बधाई दी गई। समापन कार्यक्रम में निदेशक महोदय ने पाँच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण के प्रतिभागियों एवं सभी पुरस्कार विजेताओं का आह्वान किया कि वे राजभाषा हिंदी की प्रगति को गति देने में सहायक होंगे। सुश्री बीना ए. सिक्वेरा, प्रशासन नियंत्रक ने विश्व हिन्दी दिवस समारोह 2023 के सफल आयोजन के लिए संस्थान के राजभाषा अनुभाग एवं इसमें शामिल अधिकारियों एवं कार्मिकों की प्रशंसा की।

श्री विरंची सारंग, प्रशासन अधिकारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को बढ़ावा मिलेगा। निदेशक महोदय द्वारा मुख्य अतिथि श्री नरेश कुमार, उपनिदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो को पौधा देकर सम्मानित किया गया एवं स्मृति चिन्ह के रूप में संस्थान की ओर से टाई व कैलेंडर भेंट

किया गया।

अंत में, संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी ने मुख्य अतिथि, पुरस्कार विजेता स्कूली बच्चों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों, समारोह 2023 से संबद्ध सभी नियमित स्टाफ एवं केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के संकाय सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन श्री संजय चौधरी, हिंदी अधिकारी द्वारा किया गया।

सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सप्ताह भर समारोह का आयोजन

सीएसआईआर–केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीआरआई), भावनगर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 01 मार्च से 10 मार्च, 2023 तक एक सप्ताह के समारोह का आयोजन किया गया।

सप्ताह का शुभारंभ एक भव्य आयोजन से किया गया जिसमे मुख्य अतिथि राजकुमारी बृजेश्वरी कुमारी गोहिल, संस्थापक, भावनगर हेरिटेज प्रिजर्वेशन सोसाइटी और वाइस प्रेसिडेंट प्रिंसेप्स ऑक्शन हाउस एंड गैलरी रहीं।

इस उपलक्ष्य में नृत्य, नाटिका और कविता पाठ का आयोजन किया गया। 03 मार्च को कैंसर विशेषज्ञ डॉ. विविधा दुबे द्वारा स्तन कैंसर जागरुकता पर चर्चा, 06 मार्च को मनोविज्ञानी श्रीमती नीता यादव ''महिला मानसिक स्वास्थ्य और कार्य–गृह जीवन संतुलन, तनाव प्रबंधन'' पर चर्चा, संविदा महिला कर्मचारियों के लिए चिकित्सा शिविर, तथा तत्काल ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

10 मार्च को समापन समारोह में मुख्य अतिथि, डॉ. नम्रता चिंदारकर, एसोसिएट प्रोफेसर और चेयर जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद का व्याख्यान हुआ।

इसकी अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. कन्नन श्रीनिवासन ने की। इस दौरान संविदा कर्मचारियों की पुत्रियों को शिक्षा में बढ़ावा देने हेतु स्टेशनरी का वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम का संयोजक डॉ. (श्रीमती) सुवर्णा मैती व उनकी टीम ने किया।

पूरे सप्ताह भर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमे महिला व पुरूष दोनों कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

सीएसआईआर-सीरी ने अल्युरिंग राजस्थान 2023 प्रदर्शनी में प्रतिभागिता की

सीएसआईआर के स्टॉल ने अनुसंधान और प्रौद्योगिकी श्रेणी में बेस्ट स्टॉल अवार्ड जीता

सीएसआईआर–सीरी ने भारत सरकार द्वारा दिनांक 23–25 फरवरी, 2023 के दौरान उदयपुर (राजस्थान) में आयोजित "अल्युरिंग राजस्थान–2023 प्रदर्शनी" में भाग लिया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन 23 फरवरी, 2023 को होटल इंद्र रेजीडेंसी, उदयपुर में किया गया। इस प्रदर्शनी में भारत सरकार के विभिन्न विभागों एवं शोध संगठनों ने प्रतिभागिता की।

प्रतिभागियों ने अपने–अपने विभागों व संगठनों के कार्यों एवं उत्पादों को प्रदर्शित किया।

विभागों ने प्रदर्शनी में आने वाले विद्यार्थियों एवं अन्य दर्शकों को किसानों, छात्रों और आम लोगों के जीवन को सरल बनाने हेतु विकसित अपनी नवीनतम तकनीकों, उत्पादों और उपलब्धियों से अवगत कराया। सीएसआईआर की राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं क्रमशः सीएसआईआर–सीरी, पिलानी और सीएसआईआर–आईएचबीटी, पालमपुर ने सीएसआईआर का प्रतिनिधित्व किया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन राजस्थान के पूर्व मंत्री श्री चुन्नीलाल गरासिया ने किया। उदयपुर के लोकसभा सांसद श्री अर्जुन लाल मीणा 25 फरवरी 2023 को आयोजित समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे। प्रदर्शनी में सभी प्रमुख सरकारी विभागों और एजेंसियों के 80 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया।

छात्रों, किसानों, गैर सरकारी संगठनों, एमएसएमई कर्मियों सहित 6000 से अधिक आगंतुकों ने विभिन्न स्टालों का दौरा किया।

सीएसआईआर–सीरी ने अल्युरिंग राजस्थान प्रदर्शनी में दूध की मिलावट एवं उसमें मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी देने के लिए विकसित तकनीक "क्षीर स्केनालाइजर" को प्रदर्शित किया।

गौरतलब है कि इस तकनीक को सीएसआईआर–सीरी, पिलानी द्वारा विभिन्न उद्योगों को सफलतापूर्वक हस्तांतरित किया जा चुका है।

सीएसआईआर–सीरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ विजय चटर्जी ने शहद में मिलावट का शीघ्र पता लगाने के लिए विकसित प्रणाली की प्रमुख विशेषताओं के बारे में भी जानकारी दी।

इसके अलावा उन्होंने प्रदर्शनी में सेमीकंडक्टर और एम्बेडेड सिस्टम के क्षेत्र में संस्थान द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी जानकारी दी।

सीएसआईआर–आईएचबीटी, पालमपुर ने किसानों की उपज और आय बढ़ाने वाले विभिन्न उत्पादों एवं तकनीकों का प्रदर्शन किया।

आगंतुकों ने सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों की प्रशंसा की और इस संबंध में अपना फीडबैक दिया। समापन सत्र के दौरान सीएसआईआर को अनुसंधान और प्रौद्योगिकी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि श्री अर्जुन लाल मीणा, लोकसभा सांसद (उदयपुर) ने टीम सीएसआईआर के प्रतिनिधियों को सर्वश्रेष्ठ स्टाल पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी भेंट की।

अपने संबोधन में उन्होंने सीएसआईआर प्रयोगशालाओं द्वारा लोकहित में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों की प्रशंसा की।

सीएसआईआर-सीएसएमसीआरआई, भावनगर ने गुजरात के केंद्रीय व नवोदय विद्यालयों में जलाई विज्ञान की अलख

छात्रों के लिए सुनियोजित अनुसंधान प्रयोगशाला आधारित शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने और विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति आकर्षण व वैज्ञानिक प्रवृति उत्पन्न करने के उद्देश्य से भावनगर स्थित सीएसआईआर–केन्द्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान (सीएसएमसीआरआई) के वैज्ञानिकों द्वारा 6 से 8 फरवरी 2023 के दौरान जिज्ञासा परियोजना व भारत सरकार द्वारा 75 वें स्वतंत्रता वर्ष के दौरान मनाये जाने वाले आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत गुजरात के 10 केंद्रीय विद्यालयों (राजकोट, जामनगर, भुज व गांधीधाम) तथा जवाहर नवोदय विद्यालय (जामनगर) का भ्रमण किया गया। छात्रों के संग परस्पर संवाद करके उन्हे सूक्ष्मदर्शिकी, जलविश्लेषण, रिवर्स आस्मोसिस, अल्ट्रा फिल्टरेशन जैसी जलशुद्धि करण की आधुनिक तकनीक और उनके महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया। छात्रों को संस्थान द्वारा किये जाने वाले विभिन्न शोध कार्यो के बारे में भी जानकारी दे उन्हें विज्ञान में अपना कॅरियर बनाने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ. डूंगर राम चौधरी, प्रधान वैज्ञानिक व सीएसआईआर–जिज्ञासा परियोजना अन्वेषक ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्री अंशुल यादव, डॉ गोपालाराम भादू शामिल थे तथा इसके प्रचार में डॉ केबी पाण्डेय, पीआरओ ने सहयोग किया। कार्यक्रम में लगभग 800 छात्रों तथा 30 शिक्षकों ने भाग लिया व लाभान्वित हुए।

सीएसआईआर–सीरी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2023 का आयोजन

सीएसआईआर–सीरी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान की सभी महिला सहकर्मी, महिला परियोजना कार्मिक एवं महिला प्रशिक्षार्थी आदि सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक डॉ अभिजीत कर्माकर ने की। उन्होंने निदेशक, सीएसआईआर–सीरी की ओर से सभी महिला सहकर्मियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2023 की बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ अभिजीत कर्माकर, वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक ने उपस्थित महिला सहकर्मियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी। उन्होंने सभी कार्मिकों से अनुरोध किया कि वे आजादी के अमृत काल में विज्ञान, प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग एवं चिकित्सा (STEM) क्षेत्रों में अपनी सहभागिता बढ़ाएं। अपने देश की परंपराओं

को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे देश में आदिकाल से महिलाओं को आदर, सम्मान और समानता प्राप्त है और आज हमारे देश की महिलाएँ परिवार और समाज के साथ–साथ राष्ट्र की प्रगति में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पूरे विश्व में नारी सशक्तीकरण पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने सभी महिला कार्मिकों का आह्वान किया कि वे संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाएं और स्वयं के साथ–साथ परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर डॉ सुमित्रा सिंह, प्रधान वैज्ञानिक डॉ अदिति, प्रधान वैज्ञानिक डॉ मनिन्दर कौर, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी सहित अन्य महिला कार्मिकों ने भी अपने अनुभव और विचार साझा किए। सभी ने समवेत स्वरों में संस्थान के वर्तमान एवं पूर्व निदेशकों व वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए यह कहा कि उन्हें संस्थान में कार्य करने एवं अध्ययन आदि में किसी भी प्रकार की असमानता का अनुभव नहीं हुआ। महिला वैज्ञानिकों ने अन्य युवा शोधार्थियों एवं परियोजना सहयोगियों से कहा कि जीवन के कठिनाइयाँ और चुनौतियाँ आती हैं परंतु उससे हार नहीं माननी चाहिए। वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों ने अपनी अन्य सहयोगियों को कठिनाइयों व चुनौतियों का सामना करते हुए आगे के लिए प्रेरित किया।

संस्थान के मुख्य वैज्ञानिकों सर्वश्री डॉ सुचंदन पाल, डॉ शशिकांत सदिस्तप एवं डॉ संजय कुमार घोष तथा प्रधान वैज्ञानिक श्री प्रमोद तंवर एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री महेंद्र सिंह ने भी महिला कार्मिकों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2023 की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं महिला सहकर्मियों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि सीएसआईआर मुख्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ एन कलैसेल्वी, महानिदेशक, सीएसआईआर ने की जिसमें सीएसआईआर के उपाध्यक्ष एवं माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह एवं श्रीमती मंजू सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अंत में श्री प्रमोद तँवर, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमईबीडी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सीएसआईआर - आईआईसीटी में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस आयोजित

सीएसआईआर–आईआईसीटी, हैदराबाद में दिनांक 24 फरवरी, 2023 को 24वाँ अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की विषयवस्तु 'बहुभाषिक शिक्षा – शिक्षा में बदलाव की आवश्यकता' है।

आईआईसीटी, हैदराबाद में इस अवसर पर प्रसिद्ध रसायन शास्त्री प्रो. डी. बी. रामाचारी, हैदराबाद विश्वविद्यालय को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। अतिथि वक्ता का परिचय देते हुए डॉ. वाई. सौजन्या, वरि. प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रो. रामाचारी को कई राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

विज्ञान के क्षेत्र के कई उच्च स्तरीय पत्र–पत्रिकाओं के संपादक मंडल, परामर्शदाता के रूप में प्रो. रामाचारी की सदस्यता विज्ञान विशेषकर रसायन क्षेत्र में इनके विशद एवं गहन अध्ययन का परिचायक है।

वे बेहतर समाज के निर्माण के लिए विज्ञान के साथ–साथ साहित्य की भूमिका को भी स्वीकार करते हैं। अकारण नहीं है कि प्रो. रामाचारी ने मातृभाषा दिवस पर व्याख्यान हेतु "विज्ञान, कविता उत्तम

समाज'' विषय का चयन किया ।

विज्ञान जहाँ बाह्य भौतिक दुनिया को संवारता है, वहीं कविता मनुष्य के अंदर की दुनिया को संवारता है।

कार्यक्रम के आरंभ में स्वागत संबोधन में श्री एम. आनंद, प्रशासन नियंत्रक ने अतिथि वक्ता, निदेशक एवं सभागार में उपस्थित सभी श्रोताओं का स्वागत करते हुए वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मातृभाषा की अनिवार्य आवश्यकता को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि मातृभाषा यानी माँ की भाषा। बच्चे घर–परिवार में खेलते–कूदते मातृभाषा के प्रयोग में निष्णात हो जाते हैं। इसलिए मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा श्रेयस्कर होता है। मातृभाषा में पारंगत हो जाने पर बच्चे अन्य भाषाएँ सहजता से सीख लेते हैं।

इस अवसर पर प्रो. रामाचारी को सुनना हमारा सौभाग्य है।

आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपने संबोधन में सभी को मातृभाषा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मातृभाषा को सीखने की आवश्यकता नहीं होती है। उसका कोई व्याकरण भी नहीं होता है।

मातृभाषा स्वतः सीखने वाली भाषा होती है। इसमें जो मिठास, सहजता, सरलता एवं स्वाभाविकता होती है, वह अन्य किसी भाषा में नहीं होती है। जाहिर है कि ज्ञान सूजन के लिए मातृभाषा एक सशक्त माध्यम है।

कार्यक्रम के अतिथि वक्ता प्रो. डी.बी. रामाचारी, जिनकी मातृभाषा तेलगु है, ने कहा कि उनके परिवार में साहित्यिक माहौल रहा है। तेलगु की कविताएँ, कहानियाँ उनको बचपन से सुनने, समझने का अवसर प्राप्त हुआ। महाभारत, रामायण की कथाएँ उन्हें बचपन से आकर्षित करती रही हैं। रामसेतु के पात्र नल–नील विलक्षण अभियंता के रूप में सामने आते हैं।

विदित है कि रसायन विज्ञान में उत्प्रेरक के क्षेत्र में प्रो. रामाचारी का व्यापक कार्य है। उन्होंने साझा किया कि महाभारत के महान पात्र कृष्ण उत्तम उत्प्रेरक की भूमिका में हैं।

रासायनिक जगत में उत्प्रेरक उत्प्रेरण के द्वारा अपेक्षित परिणाम तक पहुंचाता है। उसी तरह सामाजिक जगत में अपेक्षित बदलाव हेतु जनजागरण के अगुआ जड़ता को तोड़ने के लिए उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं।

इस तरह साहित्यिक दृष्टि से विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि से साहित्य को देखने की आवश्यकता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण तर्क, चिंतन, अनुसंधान पर बल देता है, वहीं साहित्यिक दृष्टिकोण भावना, संवेदना, मनुष्यता पर बल देता है।

कवियों के द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने से उनकी रचना अंधविश्वास विरोधी, जन–पक्षधर, समसामयिक हो जाती है, वहीं वैज्ञानिकों के द्वारा साहित्यिक दृष्टिकोण अपनाने से उनकी खोज मानवीय, जन–हितैषी हो जाती है।

अकारण नहीं है कि 'कविता को मनुष्यता की मातृभाषा' कहा गया है।

कविता और विज्ञान के तमाम प्रसंगों, तथ्यों के उदाहरण से प्रो. रामाचारी के द्वारा कविता और विज्ञान के बीच की आवाजाही पर वक्तव्य का लाभ पाठकों ने तल्लीनता पूर्वक उठाया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन डॉ. सौरभ कुमार, हिंदी अधिकारी द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि अपनी जीवन यात्रा से जोड़ते हुए कविता एवं विज्ञान के अंतर्संबंध और उत्तम समाज पर उनका आज का संबोधन युवाओं और हम सभी के लिए प्रेरक है।

अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आदर्श कुमार, हिंदी अनुवादक ने प्रो. रामाचारी के संबोधन के इस अवसर को आईआईसीटी परिवार के लिए सौभाग्य माना। उन्होंने माननीय निदेशक के मार्गदर्शन, प्रशासन नियंत्रक के निर्देशन एवं प्रोत्साहन तथा सभी प्रभागों के सहयोग एवं सभागार में उपस्थित सभी श्रोताओं के प्रति आभार प्रकट किया।

सीएसआईआर-आईएचबीटी में शुरू हुआ ''एक सप्ताह - एक प्रयोगशाला-कार्यक्रम''

प्रदेश में पहली बार मुलहठी की व्यवसायिक खेती का शुभारंभ

सीएसआईआर–आईएचबीटी, पालमपुर में 20–25 फरवरी, 2023 के दौरान ''एक सप्ताह – एक प्रयोगशाला'' का आयोजन किया जा रहा है। इस में संस्थान अपनी विकसित प्रौद्योगिकियों को जन सामान्य के लिए प्रदर्शित करेगा।

इस अभियान की शुरुआत 6 जनवरी 2023 को डॉ. जितेंद्र सिंह, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्यमंत्री भारत सरकार द्वारा की गई थी। इस कार्यक्रम के माध्यम से सीएसआईआर के 37 प्रमुख संस्थान भारत में अपने यहाँ विकसित प्रौद्योगिकी उपलब्धियों एवं नवाचारों द्वारा अर्जित सफलताओं का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री अशीष बुटेल, माननीय मुख्य संसदीय सचिव ने किया।अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उद्यमियों, स्टार्टअप, किसानों एवं जन सामान्य के आर्थिकी का सुदृढ़ करने की दिशा में अग्रसर है।

इस क्षेत्र में उन्होंने सीएसआईआर –आईएचबीटी द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्यों की सराहना की एवं भविष्य में भी संस्थान से योगदान के लिए आग्रह किया।

श्री बुटेल जी ने राज्य में निवेश करने के लिए उद्यमियों और स्टार्टअप को भरोसा दिया कि हिमाचल सरकार इस तरह की उद्योगों को प्रोत्साहित करेगी, जिससे राज्य के लोगों के लिए आजीविका सृजन हो सके।

उन्होंने आगे कहा कि पालमपुर के राज्य उच्चस्तरीय होली मेले में राज्य, के नए स्टार्टअप एवं उद्यमियों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया जाएगा।

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक डा. संजय कुमार ने मुख्य अतिथि एवं आए हुए प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए ''एक सप्ताह – एक प्रयोगशाला'' कार्यक्रम के उदेश्य पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि संस्थान के वैज्ञानिकों ने हींग, केसर, स्टीविया, लिलियम, दालचीनी जैसी फसलों की कृषि तकनीक विकसित करके किसानों एवं उद्यमियों की आत्मनिर्भता की ओर कदम बढ़ाए हैं। सगंध फसलें विशेषकर लेवेंडर और सुगन्धित गेंदे को उगाने एवं प्रसंस्करण के लिए अलग–अलग राज्यों में आसवन इकाइयाँ स्थापित की गईं।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. गिरीश साहनी, भटनागर फेलो एवं पूर्व महानिदेशक, सीएआईआर ने इकोसिस्टम में बदलाव पर बल दिया ताकि प्रयोगशाला के अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी को उत्पागदों के माध्यम से बाजार में उपलब्ध कराया जा सके। उन्होनें बताया कि प्रौद्योगिकी पार्कों की स्थापना से इन विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रसारित किया जा सकता है।

आयोजन के विशिष्ट अतिथि, डा. एम. पी. गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक, डक्कीन हेल्थ केयर लि. हैदराबाद ने अपने संबोधन में कहा कि चुनौतियों से निकलकर ही सफलता प्राप्त होती है।

भारत में अपार संभावनाएं हैं। भारत में विनियमक कानूनों, नीतियों की स्पष्टता, सरलता एवं सुधारों की आवश्यकता है ताकि उद्यमी अपने उत्पाद को जल्द से जल्द विकसित करके इसे बाजार तक पहुंचा सके।

माननीय मुख्य संसदीय सचिव कार्यक्रम में किसानों को प्रदेश में पहली बार मुलहठी की व्यवसायिक खेती करने के लिए रोपण सामग्री वितरित की। इस के अलावा राज्य के विभिन्नं क्षेत्रों से

आए किसानों एवं उद्यमियों को विभिन्न फसलों के बीज एवं रोपण सामग्री भी आबंटित की गई। स्टार्टअप पर एक पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर संस्थान की प्रौद्योगिकियों के प्रसार के लिए समझौता ज्ञापन भी किए गए।

इस अवसर पर माननीय मुख्य संसदीय सचिव ने संस्थान कि पादप संवर्धन इकाई एवं पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

सीएसआईआर-सीरी द्वारा गर्भाशय ग्रीवा स्थिति विश्लेषण और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर स्क्रीनिंग के लिए आईओटी-सक्षम हैंडहेल्ड कोलपोस्कोप सिस्टम का निर्माण

भारत उन शीर्ष देशों में शामिल है जहां हर साल सबसे ज्यादा सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आते हैं। कोलपोस्कोपी एक चिकित्सा प्रक्रिया है जिसे गर्भाशय ग्रीवा की स्थिति का निदान करने और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का निदान करने के लिए भी किया जाना चाहिए।

कोलपोस्कोप एक उपकरण है जो स्त्री रोग विशेषज्ञों को कोलपोस्कोपी प्रक्रिया करने के काम आता है है। भारत हर साल विभिन्न पश्चिमी देशों से बड़ी संख्या में कोलपोस्कोप उपकरणों का आयात करता है।

सीएसआईआर–सीरी टीम ने अब सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित मेक इन इंडिया मेडिकल मिशन प्रोजेक्ट के तहत गर्भाशय ग्रीवा की स्थिति के विश्लेषण और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच के लिए एक स्वदेशी आईओटी–सक्षम हैंडहेल्ड कोलपोस्कोप प्रणाली विकसित की है। विकसित कोलपोस्कोप प्रणाली लागत प्रभावी है और इसमें अत्याधुनिक विशेषताएं हैं जैसे त्वरित डेटा विजुअलाइजेशन और विश्लेषण के लिए स्मार्टफोन–आधारित ऐप से कनेक्टिविटी, रोगियों और डॉक्टरों के बीच सीधे संचार के लिए क्लाउड कनेक्टिविटी, भविष्यवाणी करने के लिए सॉफ्टवेयर–आधारित निर्णय समर्थन ग्रामीण शिविरों में निरंतर संचालन के लिए सर्वाइकल कैंसर और ऑन–डिवाइस रिचार्जेबल बैटरी सपोर्ट।

गहन परीक्षण और सत्यापन उद्देश्य के लिए विकसित प्रणाली को विभिन्न अस्पतालों में तैनात किया गया है।

बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए और भारतीय बाजार में इस तकनीक को लॉन्च करने के लिए 7 अक्टूबर 2022 को मैसर्स डिवाइन मेडिटेक, नोएडा में प्रौद्योगिकी का व्यवसायीकरण किया गया है।

कंपनी अगले 3–6 महीनों में स्वदेशी मेक इन इंडिया तकनीक को बाजार में लाएगी।

भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान ने हिन्दी कार्यशाला आयोजित की

दिनांक 21 मार्च, 2023 को भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान के द्वितीय तल सेमिनार कक्ष में संस्थान के वैज्ञानिकों के लिए हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संस्थान के निदेशक एवं प्रशासनिक अधिकारी द्वारा हिंदी कार्यशाला के संचालक श्री प्रियंकर पालीवाल, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी (सीजीसीआरआई) और उपस्थित सभी वैज्ञानिकों का स्वाागत किया गया ।

श्री प्रियंकर पालीवाल ने कार्यशाला का विषय "हिंदी में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी" पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए हिंदी में सहजता पूर्वक कार्य करने की विधि से सभी को अवगत कराया।

उन्होंने भारतीय भाषा की महत्व एवं भाषाओं की अहमियत पर अपना वक्तव्य रखते हुए हिंदी भाषा को कार्यालयी कार्य में व्यवहार करने की सहज एवं सरल विधि बताई और विज्ञान में हिंदी का व्यवहार करने हेतु अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए सभी का ध्यान आकर्षित किया।

संस्थान के वैज्ञानिकों ने कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं सभी ने राजभाषा हिंदी में कार्य करने का संकल्प लिया।

अन्त में संस्थान के हिन्दी अधिकारी श्रीमती अम्बालिका नाग द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही कार्यशाला का समापन किया गया।

कृपया ध्यान दें

सीएसआईआर की सभी प्रयोगशालाओं के नोडल अधिकारियों/जनसम्पर्क अधिकारियों/हिन्दी अधिकारियों/अनुवादकों से अनुरोध है कि वे अपने संस्थान से सम्बन्धित गतिविधियों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान उपलब्धियों/पुरस्कार/सम्मानों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों आदि से सम्बन्धित समाचार/सूचना सीएसआईआर समाचार में प्रकाशन के लिए हार्ड अथवा सॉफ्ट कॉपी में संपादक, सीएसआईआर समाचार को भेजने की कृपा करें।

संपादक
सीएसआईआर समाचार

NIScPR
सीएसआईआर–निस्पर

संपादक : अनिल कुमार श्रीवास्तव, सहायक संपादक : मीनाक्षी गौड़, प्रोडक्शन : अश्वनी कुमार ब्राह्मी
फोन : 25841769, 25846304–7/371; फैक्स : 25847062; ईमेल : csirsamachar@niscpr.res.in;
वेबसाइट : http://www.niscpr.res.in
बिक्री एवं वितरण अधिकारी, निस्पर; ईमेल : sales@niscpr.res.in; फोन : 011-25843359
वार्षिक सदस्यता: ₹ 500/– एक अंक: ₹ 50/–

प्रकाशक एवं मुद्रक श्री मुकेश अम्बादास पुंड द्वारा स्वामी राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (निस्पर) डॉ. के.एस. कृष्णन मार्ग, नई दिल्ली–110012 से प्रकाशित एवं मुद्रित

DELHIN / 2013/52141